RNI No: UPHIN/2023/86769
www.swarajindianews.com
swarajindia2023@gmail.com swarajindianews swarajindianews
मूल्य: ₹ 02
सच्चाई के दम पर जोश के साथ...
सांध्यकालीन समाचार पत्र

स्वराज इंडिया

कानपुर, सोमवार, 30 जून, 2025
वर्ष: 02, अंक: 177, पृष्ठ: 8+4

इनसाइड औषधि विभाग ने सात फार्मा कंपनियों पर ठोका मुकदमा... » Pg 03

राष्ट्रपति मुर्मु का गोरखपुर दौरा » Pg 12

प्रयागराज में 3 हजार भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं ने काटा बवाल

वाहनों में तोड़फोड़ की, महिलाओं के साथ मारपीट, कई लोग घायल

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। इसौटा गांव में भीम आर्मी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर को पुलिस ने रविवार शाम जाने से रोका तो पार्टी कार्यकर्ता उग्र हो गए। करछना तहसील के हनुमानपुर मोरी से लेकर भड़ेवरा बाजार तक जमकर बवाल किया।

आधा दर्जन से अधिक बसों, पुलिस की चार गाड़ियों समेत अन्य चार वाहनों पर पथराव कर क्षतिग्रस्त कर दिया। बाजार के दुकानदारों से मारपीट की। राहगीरों से भी हाथापाई की गई। पुलिस ने रोकने की कोशिश की तो पथराव शुरू कर दिया गया। कई थानों की पुलिस के साथ ही पीएसी के जवान पहुंचे, लेकिन भीम आमीज़ के कार्यकर्ता रह-रह कर पत्थरबाजी करते रहे।

इसौटा गांव के रहने वाले देवीशंकर की 13 अप्रैल को आग से झुलसकर मौत हो गई थी। आरोप लगाया गया था कि उसे जलाकर मार डाला गया है। तहसील प्रशासन ने मृतक के स्वजन को जमीन का पट्टा, सरकार से आर्थिक मदद दिलाने का आश्वासन दिया था। लेकिन इधर कुछ दिन पहले भीम आर्मी के स्थानीय नेताओं ने यह कहा कि मृतक के स्वजन को कोई सहायता नहीं दी गई है।

मामला पार्टी के अध्यक्ष व सांसद चंद्रशेखर रावण के पास पहुंचा तो रविवार को देवीशंकर के घरवालों से मुलाकात करने की बात कही गई। सुबह से ही देवीशंकर के घर के पास बड़ी संख्या में भीम आर्मी के पदाधिकारियों व कार्यकर्ता एकत्र होने लगे। दोपहर में सांसद चंद्रशेखर रावण सर्किट हाउस पहुंचे।

पुलिस अधिकारियों को पता चला तो वह सर्किट हाउस पहुंचे। कई थानों की पुलिस भी पहुंच गई। चंद्रशेखर रावण को इसौटा जाने से रोका गया। यह बात शाम करीब पांच बजे इसौटा में मौजूद कार्यकताओं को पता चली तो वह बवाल करने लगे। वाहनों में तोड़फोड़ शुरू कर दी। पुलिस पहुंची तो पथराव करते हुए उनके भी वाहनों में तोड़फोड़ की। राहगीरों की गाड़ियों को रोकवाकर तोड़ डाला गया।

भड़ेवरा बाजार की दुकानों में तोड़फोड़ करने के साथ ही दुकानदारों से भी मारपीट की गई। यमुनापार के साथ ही शहर के कई थानों की पुलिस करछना पहुंच गई। पीएसी को भी बुला लिया गया। हालांकि, भीम आर्मी के कार्यकर्ताओं पर इसका असर नहीं हुआ और वह पत्थरबाजी करते रहे। यह देखकर ग्रामीण पुलिस के पक्ष में आ गए। भीम आर्मी के कार्यकताओं पर पत्थरबाजी शुरू कर दी। कई पुलिस अधिकारी भी पहुंचे और मामले को काबू करने में जुट गए। पीएसी और अतिरिक्त पुलिस बल पहुंचने पर हालत को काबू किया गया। कई भीम आर्मी के कार्यकताओं को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है।

हृदयविदारक

कर्ज के बोझ में दबे शोभित ने पत्नी और बच्चों को कहा अलविदा

एक ही परिवार के तीन लोगो की आत्महत्या

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

लखनऊ में एक ही परिवार के तीन लोगों के शव घर में बरामद हुए हैं। पुलिस आत्महत्या की आशंका जता रही है। लखनऊ में चौक इलाके में एक ही परिवार के तीन लोगों ने जहर खाकर सुसाइड कर लिया तीनों के शव घर में पड़े मिले। चौक अशरफाबाद इलाके में रहने वाले शोभित रस्तोगी, उनकी पत्नी सुचिता और बेटी ने जहर खाकर सुसाइड किया है। सूचना पर मौके की जांच पड़ताल कर शवों को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है। घटना के पीछे आर्थिक तंगी के बिंदु पर जांच पड़ताल की जा रही है।

पुलिस के मुताबिक, आज सुबह पांच बजे के आसपास थाना चौक को 112 के माध्यम से सूचना मिली कि अशरफाबाद इलाके में रहने वाले अवस्थी परिवार के लोगों ने कुछ खा लिया है। तत्काल चौकी इंचार्ज घटनास्थल पर पहुंचे और फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया। वहां पहुंच कर पता लगा कि रोहित रस्तोगी, उनकी पत्नी सुचिता और बेटी ने कुछ खा लिया है।

पत्नी और बेटी के साथ की आत्महत्या : डीसीपी पश्चिम लखनऊ, विश्वजीत श्रीवास्तव ने बताया कि शोभित रस्तोगी कपड़ा कारोबारी थे वह अपने परिवार में पत्नी सुचिता रस्तोगी और नाबालिक बेटी ख्याति रस्तोगी के साथ रहते थे। रविवार तेरा तीनों ने अपनी जान दे दी। फिलहाल अभी तक व्यापारी के परिवार सहित आत्महत्या के कारणों का पता नहीं चल सका है।

जांच में जुटी पुलिस : घटना की जानकारी मिलने के बाद जब पुलिस घटना स्थल पर पहुंची तो उन्हें मौके से एक सुसाइड नोट बरामद हुआ। पुलिस ने तीनों शवों को कब्जे में लेकर पंचनामा के लिए भेज दिया है और जांच में जुट गई है। अब आत्महत्या का कारण क्या रहा यह तो जांच के बाद ही पता चलेगा।

याचक शब्द से आहत वृद्ध ने रीजनल मैनेजर पर लगाया बदसलूकी का आरोप

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। मसवानपुर निवासी वृद्ध राम विनोद अग्निहोत्री अपनी बेटी का चिकित्सा प्रमाणपत्र उत्तर प्रदेश ग्रामीण बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय काकादेव में 13 जून को रिजनल मैनेजर संजीव कुमार को देने पहुंचे थे। लेकिन मेडिकल रिसीव करने में टालमटोल होती देख उन्होंने कहा कि यदि आप रिसीव नहीं करेंगे तो हम इसे जिलाधिकारी के माध्यम से भेजेंगे। इस बात पर रिजनल मैनेजर कथित रूप से भड़क गए और बोले, मैं किसी से नहीं डरता, मेरी मर्जी से काम करता हूँ, मेरा कोई कुछ नहीं उखाड़ सकता। वहीं एक स्टाफ सदस्य ने वृद्ध से कहा, यह रिजनल मैनेजर का दफ्तर है,यहां याचक बनकर आया करो।

याचक शब्द का प्रयोग वृद्ध को अपमानजनक लगा। उन्होंने इस व्यवहार के खिलाफ 17 जून को जिलाधिकारी जितेंद्र प्रताप सिंह को एक शिकायत पत्र भेजा। लेकिन कार्रवाई न होने पर 28 जून को पुनः प्रार्थना पत्र भेजा। शिकायत की प्रतिलिपि लखनऊ स्थित बैंक चेयरमैन कार्यालय और जनसुनवाई पोर्टल पर भी प्रस्तुत की गई है।

» घमंड में चूर रीजनल मैनेजर ने बुजुर्ग को याचक बोलकर किया अपमानित

» डीएम की बात पर भड़के मैनेजर साहब बोले मैं किसी से नहीं डरता मेरा कोई कुछ नहीं उखाड़ सकता

» मृत्यु के बाद हुआ मृतक का बीमा रीजनल मैनेजर ने किया इस घटना से

मृतक के नाम पर इंश्योरेंस की घटना से अधिकारी ने किया इनकार

वृद्ध राम विनोद द्वारा उठाया गया दूसरा गंभीर मुद्दा यशोदा नगर शाखा से जुड़ा है, जहां

बैंक अधिकारियों पर मृतक शिवम द्विवेदी के नाम पर प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना और प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना के अंतर्गत फर्जी बीमा करने का आरोप है। इस गंभीर घटना की जांच रिजनल मैनेजर संजीव कुमार के पास है, लेकिन वे दोषियों को बचाने की कोशिश कर रहे हैं।

जब दैनिक स्वराज इंडिया की टीम ने रिजनल मैनेजर संजीव कुमार से फोन पर संपर्क कर स्पष्टीकरण मांगा तो उन्होंने कहा कि राम विनोद अग्निहोत्री की बेटी हमारे बैंक में कर्मचारी हैं और उनका ट्रांसफर हुआ था। इसी में फेरबदल की मांग को लेकर राम विनोद हमारे पास आए थे, जिसे मैंने अस्वीकार कर दिया। इसलिए वे बेबुनियाद आरोप लगा रहे हैं।

रिजनल मैनेजर ने यह भी दावा किया कि राम विनोद द्वारा डीएम को की गई शिकायत का जिलाधिकारी ने संज्ञान लिया है और लिखित में उत्तर राम विनोद को भेजा गया है, जबकि राम विनोद अग्निहोत्री ने मीडिया से ऐसी कोई जानकारी साझा नहीं की है।

मृतक के नाम पर बीमा की जानकारी से रिजनल मैनेजर ने इनकार करते हुए कहा कि मेरे अंडर में 65 ब्रांच हैं ऐसी कोई घटना मेरे संज्ञान में नहीं है और न ही ऐसी गलती हो सकती है।

स्कूल मर्जर बन सकता है बच्चों की शिक्षा में रोड़ा

शिक्षा अधिकार कानून की अनदेखी, सरकार मर्जर नीति से भाग रही ज़िम्मेदारी से

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर। बच्चों को समान और सुलभ शिक्षा देने के लिए लागू किए गए शिक्षा का अधिकार अधिनियम 2009 को सरकारी तंत्र ने जैसे भुला ही दिया है। एक तरफ सरकार बच्चों को गुणवत्तापूर्ण और नजदीकी स्कूल में शिक्षा देने का दावा करती है, दूसरी तरफ प्रदेश के विभिन्न जनपदों में स्कूलों को मर्ज करने की कवायद तेज़ कर दी गई है।

स्कूल मर्जर की यह नीति न सिर्फ संविधान की भावना के खिलाफ है, बल्कि यह शिक्षा के अधिकार का सीधा हनन है। ग्रामीण इलाकों में जहां बच्चे 500 मीटर या अधिकतम 1 किलोमीटर में विद्यालय पहुंचते थे, अब उन्हें 3-4 किलोमीटर की दूरी तय करनी पड़ेगी। यह बदलाव विशेष रूप से बालिकाओं और छोटे बच्चों के लिए बेहद कठिन और हानिकारक सिद्ध हो सकता है।

शिक्षाविदों और सामाजिक कार्यकर्ताओं का कहना है कि यह मर्जर दरअसल एक प्रशासनिक असफलता का ढका-छुपा दस्तावेज़ है। जिन जिम्मेदारों ने वर्षों तक स्कूलों में पर्याप्त शिक्षक नहीं दिए, वही अब शिक्षकों की कमी का हवाला देकर स्कूलों को बंद करने की तैयारी में हैं।

समस्या शिक्षकों की कमी है, तो समाधान स्कूल बंद करना नहीं, बल्कि शिक्षकों की नियुक्ति और प्रशिक्षण होना चाहिए, यह कहना है सामाजिक कार्यकर्ता और शिक्षा अधिकार मंच के संयोजक अजय श्रीवास्तव का।

जानकारों का मानना है कि सरकार अगर वाकई बच्चों के हितों को लेकर गंभीर है,

तो उसे सबसे पहले शिक्षकों को चुनाव, जनगणना, सर्वेक्षण, राशन वितरण जैसे गैर-शैक्षणिक कार्यों से मुक्त करना चाहिए, ताकि वे शिक्षण कार्य पर पूरा ध्यान दे सकें। इसके अलावा स्थायी शिक्षकों की नियुक्ति और सेवा शर्तों में सुधार के बिना शिक्षा व्यवस्था को दुरुस्त करना संभव नहीं है।

स्थानीय स्कूल बच्चों के लिए सिर्फ पढ़ाई का स्थान नहीं, बल्कि सामाजिक जुड़ाव और लोकतांत्रिक अधिकारों की पहली पाठशाला होते हैं।

जब बच्चे अपने गांव में पढ़ते हैं, तो वे केवल किताबें नहीं, अपने समाज, संस्कृति और परिवेश से भी सीखते हैं। मर्जर नीति इस जुड़ाव को तोड़ने का काम कर रही है।

अब जरूरत है कि अभिभावक, शिक्षक, जनप्रतिनिधि और सामाजिक संगठन एकजुट होकर इस नीति का विरोध करें। सरकार को स्पष्ट संदेश दिया जाना चाहिए—अपनी नाकामी की सज़ा बच्चों को न दो। स्कूल बंद नहीं, शिक्षकों की तैनाती करो।

औषधि विभाग ने सात फार्मा कंपनियों पर ठोका मुकदमा

जांच में मिली थी अधोमानक, सरकारी अस्पतालों से लिए थे सैंपल

राहुल पांडेय/ स्वराज इंडिया

कानपुर। कानपुर के अस्पतालों में घटिया दवाओं और इंजेक्शन की सप्लाई का खुलासा हुआ है। यह दवाएं निजी और सरकारी दोनों अस्पतालों से मरीजों को दी जा रही थीं। इनमें उर्सला, जेके कैंसर और केपीएम सरकारी अस्पताल शामिल हैं। मरीजों की जान से खिलवाड़ करने वाली ये सात कंपनियां मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश की हैं। सैंपल फेल होने के बाद ड्रग इंस्पेक्टर ने कंपनियों के खिलाफ मुख्य महानगर मजिस्ट्रेट की कोर्ट में मुकदमा दर्ज कराया है। फेल सैंपलों में एंटीबायोटिक, एंटी एलर्जिक, बुखार और एसिडिटी की दवाएं और इंजेक्शन हैं। जांच में इनमें दर्ज मात्रा की तुलना में साल्ट आधा भी नहीं मिला। सभी सैंपल अधोमानक पाए गए हैं। ड्रग इंस्पेक्टर ओम पाल सिंह और रेखा सचान की टीम ने केस दर्ज कराया है। सैंपल अक्तूबर में लिए गए थे और मुकदमा रिपोर्ट आने के बाद दर्ज कराया गया है।

ड्रग इंस्पेक्टर ओम पाल सिंह ने बताया कि एमोक्सिसिलिन और पोटेशियम क्लैवुलनेट इंजेक्शनए टेम्सनिर 0.4उह टैबलेट, सेफिक्सिम लैक्टिक एसिड बैसिलस टैबलेट नमूने जांच के लिए लैब भेजे गए थे, यह सब अधोमानक मिले। इनमें दवाओं का प्रतिशत मानक से कम मिला। मध्य प्रदेश, उत्तराखंड और हिमाचल प्रदेश स्थित इन दवाओं की कंपनियों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया गया है।

» ड्रग इंस्पेक्टर ओम पाल सिंह बोले-आगे भी चलेगी ऐसे ही कार्रवाई

इन दवाओं के सैंपल फेल

जेके कैंसर, उर्सला और केपीएम अस्पताल में एमोक्सिसिलिन और पोटेशियम क्लैवुलनेट इन्जेक्शन व टेबलेट, मेसर्स हनुमंत कृपा मेडिकल एंड सर्जिकल कल्याणपुर में टेम्सनिर टेबलेट, विष्णुपुरी स्थित रैनबो मेडी क्लीनिक प्राइवेट लिमिटेड के सेफिक्सिम लैक्टिक एसिड बैसिलस टेबलेट और मेसर्स मां उमा फार्मा शॉप नंबर दो बिरहाना रोड में पैरासिटामॉल टेबलेट के सैंपल फेल हुए।

इन कंपनियों के खिलाफ मुकदमा

मॉडर्न लेबेरेट्रीज इंडस्ट्रियल एरिया इंदौर, केपनिक फार्मास्युटिकल सोलन, सेलेब्रेटी बायोफार्मा लिमिटेड सोलन, मैक्समेड लाइफसाइंस प्राइवेट लिमिटेड रुद्रपुर उत्तराखंड, बजाज फार्मास्युटिकल रुड़की हरिद्वार, हेल्थ बायोटेक लिमिटेड सोलन और एएनजी लाइफ साइंस इंडिया लिमिटेड बद्दी सोलन।

18 दवाएं नकली मिलीं थीं

पिछले साल औषधि विभाग की ओर से जनवरी से अक्तूबर तक चली छापेमारी में लिए गए नमूनों की जांच रिपोर्ट में 18 नकली, 23 अधोमानक और दो मिस ब्रांड दवाएं मिली थीं।

कानपुर-उन्नाव शिक्षक खंड के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी श्रीकान्त द्विवेदी का निधन

प्रमुख संवाददाता स्वराज इंडिया

कानपुर शिक्षा जगत के पुरोधा, कानपुर-उन्नाव शिक्षक खंड के पूर्व एमएलसी प्रत्याशी श्रीकान्त द्विवेदी (दद्दा) के आकस्मिक निधन से सम्पूर्ण शिक्षक समाज में शोक की लहर दौड़ गई है। उनके निधन को शिक्षक राजनीति में एक अपूरणीय क्षति बताया जा रहा है।

श्री द्विवेदी शिक्षक हितों के सजग प्रहरी थे और सदैव शिक्षकों की समस्याओं को लेकर संघर्षरत रहे। उनके निधन पर प्रमुख शिक्षक नेताओं वीर भान सिंह, डॉ. राम मिश्रा, बलवन्त सिंह, केशव सिंह, अनुपम द्विवेदी, जयराम बाबू, ध्रुवकान्त, अजय गुप्ता, जयदीप, संतोष, सी.एल. वर्मा आदि ने गहरा शोक व्यक्त किया है। सभी ने कहा कि उनका जीवन शिक्षकों के अधिकारों और सम्मान की रक्षा में समर्पित रहा।शोक संवेदना व्यक्त करने के लिए उनके आवास पर बड़ी संख्या में शिक्षक नेता एवं सहयोगी पहुँचे। इनमें पूर्व प्रत्याशी वेणुरंजन सिंह, , डॉ. विवेक द्विवेदी, विकास सिंह भोले, प्रेम मोहन मिश्र, राम औतार दीक्षित, ब्रजेंद्र त्रिवेदी, उमाशंकर कमल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।उनकी अंतिम यात्रा में जब तक सूरज चाँद रहेगा, श्रीकान्त दद्दा का नाम रहेगा जैसे नारे गूंजते रहे, जो उनके प्रति लोगों के गहरे प्रेम और सम्मान को दर्शाते हैं।शिक्षा विभाग के अधिकारियों, प्रधानाचार्यो और शिक्षकों ने भी उनके निधन पर गहरा दु:ख जताया और श्रद्धा सुमन अर्पित किए। सभी ने कहा कि उनका व्यक्तित्व, संघर्षशील शैली और शिक्षकों की समस्याओं के प्रति समर्पण सदा स्मरणीय रहेगा। उनकी भरपाई अब मुश्किल प्रतीत होती है।

राजकीय पॉलीटेक्निक का नाम जल्द होगा क्रांतिकारी डॉ0 गया प्रसाद के नाम

विभागीय मंत्री की पहल पर अधिकारियों ने शुरू की कार्रवाई

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। बिल्हौर की माटी के गौरव अमर शहीद गया प्रसाद कटियार का नाम जल्द ही कानपुर की राजकीय पॉलीटेक्निक के इतिहास में दर्ज होने की उम्मीद जागी है। प्रदेश सरकार के प्राविधिक शिक्षा के कैबिनेट मंत्री आशीष पटेल की पहल पर प्रदेश शासन ने कार्रवाई शुरू कर दी है।गौरतलब है कि महान क्रांतिकारी डॉ. गया प्रसाद कटियार (आजन्म कैद, काला पानी) का स्वतंत्रता आंदोलन में अप्रतिम योगदान रहा है।

वह लंबे समय तक बिल्हौर के खजुरी खुर्द और शिवराजपुर के जगदीशपुर गांव में रहे। उनकी उपलब्धियों को नई पीढ़ी तक पहुंचाने के लिए उ.प्र. सरकार ने विभागीय कार्यवाही शुरू कर दी है।

शीघ्र ही राजकीय पॉलिटेक्निक कानपुर अपने नए नाम डॉ. गया प्रसाद कटियार राजकीय पॉलिटेक्निक, कानपुरफ के नाम से जाना जाएगा। मंत्री प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले उत्तर प्रदेश आशीष पटेल ने अपर मुख्य सचिव, प्राविधिक शिक्षा विभाग, उत्तर प्रदेश शासन को इस संबंध में पत्र लिखा है। पत्र में कहा गया है कि समय-समय पर लोगों द्वारा लगातार मांग की जा रही है कि महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी एवं क्रांतिकारी डॉ. गया प्रसाद कटियार के भारत की आजादी में दिए गए योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने हेतु राजकीय पालीटेक्निक कानपुर नगर का नाम परिवर्तित कर डॉ. गया प्रसाद कटियार राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर नगर किया जाना उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी। यह जनपदवासियों के लिए गौरव की बात होगी। पत्र मिलते ही जिम्मेदार अधिकारियों ने कागजी कार्रवाई शुरू कर दी है।

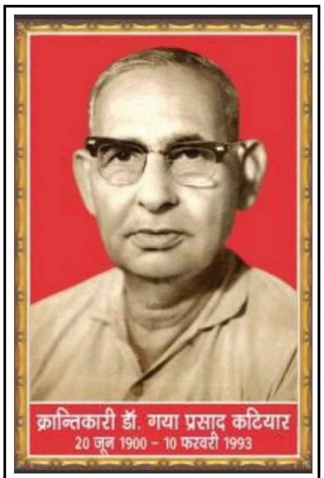

आशीष पटेल
मंत्री
प्राविधिक शिक्षा एवं उपभोक्ता मामले
उत्तर प्रदेश

अ.शा.प.सं. मेमो/ [illegible]/24
विधान भवन, मुख्य भवन, कक्ष सं. 86, 87
दूरभाष : कार्यालय : 0522-2238124
आवास : 0522-2235211
आवास : 1-ए, माल एवेन्यू, लखनऊ
दिनांक : 22/06/2025

अपर मुख्य सचिव,
प्राविधिक शिक्षा विभाग,
उत्तर प्रदेश शासन।

अधोहस्ताक्षरी के कानपुर नगर भ्रमण के दौरान समय-समय पर प्रबुद्धजनों/जनमानस/ जनपदवासियों द्वारा लगातार मांग की जा रही है कि महान स्वतन्त्रता संग्राम सेनानी एवं क्रांतिकारी **डॉ. गया प्रसाद कटियार** जी का भारत की आजादी में दिए गए योगदान को नई पीढ़ी तक पहुंचाने हेतु **राजकीय पालीटेक्निक कानपुर नगर** का नाम परिवर्तित कर **डॉ. गया प्रसाद कटियार राजकीय पालीटेक्निक, कानपुर नगर** किया जाना उनको सच्ची श्रद्धांजलि होगी और जनपदवासियों के लिए यह गौरव की बात होगी।

अपेक्षा है कि जनभावनाओं के दृष्टिगत प्रकरण में उक्तानुसार अग्रिम कार्यवाही कराने का कष्ट करें। शुभेच्छा सहित

(आशीष पटेल)

सेना के शौर्य को सलाम

ऑपरेशन सिंदूर कप में सेना इलेवन की ऐतिहासिक जीत

» सांसद रमेश अवस्थी के आयोजन ने दिल जीत लिया

पुरस्कार विजेता

विजेता टीम – सेना इलेवन
उपविजेता – सांसद इलेवन
मैन ऑफ द मैच – अखिल कुमार, पुलिस कमिश्नर, कानपुर
बेस्ट बैटर – मनोज तिवारी, सांसद दिल्ली
बेस्ट बॉलर – मनीष कुमार सोनकर, एडीसीपीबेस्ट
ऑलराउंडर – गौरांग राठी, जिलाधिकारी, उन्नाव

प्रमुख संवाददाता - स्वराज इंडिया

कानपुर। अंतरराष्ट्रीय ग्रीनपार्क स्टेडियम में रविवार को देशभक्ति, खेल और सम्मान का अद्वितीय संगम देखने को मिला। ऑपरेशन सिंदूर कप के तहत खेले गए सांसद इलेवन और सेना इलेवन के मैत्री क्रिकेट मैच ने न केवल दर्शकों का दिल जीता, बल्कि भारतीय सेना के शौर्य और समर्पण को खेल के माध्यम से भावभीनी श्रद्धांजलि दी।

बारिश के बावजूद भारी उत्साह के बीच शुरू हुए इस 12 ओवर के मुकाबले में सेना इलेवन ने सांसद इलेवन को 9 विकेट से पराजित किया। इस शानदार आयोजन के सूत्रधार रहे कानपुर के लोकप्रिय सांसद रमेश अवस्थी, जिनकी सोच, समर्पण और शानदार प्रबंधन ने इस आयोजन को ऐतिहासिक बना दिया।

सेना का पराक्रम खेल मैदान में भी अजेय

मैच की शुरुआत सांसद इलेवन की बल्लेबाजी से हुई, जहां सांसद मनोज तिवारी ने 30 रनों की उपयोगी पारी खेली और विधायक अभिजीत सिंह सांगा ने 17 रन जोड़े। कुल स्कोर रहा 95/8। जवाब में सेना इलेवन ने मात्र 1 विकेट खोकर लक्ष्य हासिल कर लिया, जिसमें कानपुर पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने 50 रन की नाबाद और विजयी पारी खेली।

सम्मान, भक्ति और संस्कृति का संगम

मैच के समापन समारोह में भक्ति और देशप्रेम की भावना ने दर्शकों को भावविभोर कर दिया।

सुप्रसिद्ध गायिका स्वाति मिश्रा के राम आएंगे तो अंगना सजाऊँगी गीत ने वातावरण को भक्तिमय कर दिया।

वीररस की कविताएं लेकर आईं प्रसिद्ध कवयित्री कविता तिवारी और गौरव चौहान, जिन्होंने सेना के पराक्रम पर ओजस्वी छंदों से समां बांधा। बॉलीवुड अभिनेत्री सोनल चौहान और सोशल मीडिया इन्फ्लुएंसर्स की उपस्थिति ने आयोजन को नई ऊंचाई दी।

रक्षा राज्यमंत्री की विशेष उपस्थिति

कानपुर की धरती पर ऐसा आयोजन एक गौरवशाली क्षण है। मैं रमेश अवस्थी जी को सलाम करता हूं, जिन्होंने इस आयोजन को जन–जन की भावना से जोड़ा। भीषण वर्षा के बीच भी दर्शकों का टिके रहना यह बताता है कि सेना के प्रति यहां कितना गहरा सम्मान है।

हम हारे, पर गर्व से : मनोज तिवारी

सेना के सामने न मैदान में कोई टिकता है, न जंग में। हमें इस हार पर भी गर्व है।

वहीं आयोजक सांसद रमेश अवस्थी ने कहा-

यह सिर्फ एक क्रिकेट मैच नहीं था, यह सेना के प्रति कृतज्ञता व्यक्त करने का माध्यम था। ऑपरेशन सिंदूर कप देशप्रेम, समर्पण और शौर्य का प्रतीक बन गया है।

सम्पादकीय

टीएमसी नेताओं की टिप्पणी निंदनीय

कोलकत्ता में कानून की एक छात्रा से सामूहिक दुराचार के मामले में पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी तृणमूल कांग्रेस के दो वरिष्ठ नेताओं की अनर्गल टिप्पणी स्त्री की मर्यादा के खिलाफ शर्मनाक व संवेदनहीन प्रतिक्रिया है। एक बार फिर शर्मनाक ढंग से पीड़िता पर दोष मढ़ने की बेशर्म कोशिश की गई है। टीएमसी की महिला नेत्री महुआ मोइत्रा ने पार्टी के नेताओं के बयान पर निराशा व्यक्त करते हुए स्पष्ट किया है कि इन राजनेताओं के बयान में स्त्री–द्वेष पार्टी लाइन से परे है। वहीं इससे भी बदतर स्थिति यह है कि जिस पार्टी के नेताओं ने ये दुर्भाग्यपूर्ण बयान दिए हैं, उस पार्टी की सुप्रीमो एक महिला ही है। यह स्थिति दुर्भाग्यपूर्ण ही है कि ममता बनर्जी जैसी तेजतर्रार मुख्यमंत्री के शासन और नेतृत्व के वर्षों के दौरान टीएमसी के भीतर संवेदनशीलता लाने और मानसिकता में बदलाव लाने के प्रयास विफल होते नजर आ रहे हैं।

विडंबना यह है कि पीड़िता के प्रति निर्लज्ज बयानबाजी अकेले पश्चिम बंगाल का ही मामला नहीं है, देश के अन्य राज्यों में भी ऐसी संवेदनहीन टिप्पणियां सामने आती रही हैं। देश के विभिन्न राज्यों में कई जघन्य अपराधों के बाद टिप्पणियों में पितृसत्तात्मक रीति–रिवाजों को ही उजागर किया जाता है। गाहे–बगाहे शर्मनाक टिप्पणियां की जाती रही हैं। यदि 21वीं सदी के खुले समाज में हम महिलाओं के प्रति संकीर्णता की दृष्टि से मुक्त नहीं हो पा रहे हैं, तो इसे विडंबना ही कहा जाएगा। यह दुर्भाग्यपूर्ण ही कि ये वे लोग हैं जिन्हें जनता अपना नेता मानती है और लाखों लोग उन्हें चुनकर जनप्रतिनिधि संस्थाओं में कानून बनाने व व्यवस्था चलाने भेजते हैं।यहां उल्लेखनीय है कि कोलकत्ता में कानून की छात्रा के साथ हुए सामूहिक दुष्कर्म के बाद एक विशेष जांच दल का गठन किया गया है और कुछ गिरफ्तारियां भी की गई हैं। निस्संदेह, इसमें दो राय नहीं कि मामले में कानून अपना काम करेगा, लेकिन मामला यहीं खत्म नहीं हो जाना चाहिए। इस मामले में टीएमसी नेताओं की टिप्पणियां निस्संदेह निंदनीय हैं, लेकिन पार्टी के नेताओं व कार्यकर्ताओं द्वारा भी कड़े शब्दों में इसकी निंदा की जानी चाहिए। ममता बनर्जी के सामने एक और चुनौती है। आरजी कर मेडिकल कॉलेज बलात्कार– हत्याकांड और उसके बाद देश भर में उपजा आक्रोश अभी भी यादों में ताजा है। निस्संदेह, केवल टिप्पणियों से पार्टी को अलग कर देना ही पर्याप्त नहीं है। सार्वजनिक जीवन में जीवन–मूल्यों के खिलाफ जाने वाले लोगों के लिये परिणाम तय होने चाहिए। अन्यथा समाज में ये संदेश जाएगा कि ऐसे कुत्सित प्रयासों के खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं होती है। यह भी कि यह एक स्वीकार्य व्यवहार है। यह तर्क से परे है कि किसी पीड़िता को पूर्ण भौतिक व मनोवैज्ञानिक सहायता प्रदान करना एक आवश्यक कर्तव्य के रूप में निहित क्यों नहीं, चाहे कोई भी पार्टी सत्ता में क्यों न हो। किसी अपराध की रोकथाम अच्छे शासन का एक उपाय है, लेकिन जब कोई अपराध होता है तो प्रभावी प्रतिक्रिया भी उतनी ही महत्वपूर्ण है। टीएमसी दोनों ही मामलों में विफल प्रतीत होती है।

कौशल आधारित खेल में कोटा प्रणाली की तार्किकता

प्रदीप मैगज़ीन

दक्षिण अफ़्रीकी प्रयोग के बावजूद, खेलों में आरक्षण एक अतिशयी कदम भी हो सकता है, यदि चुना गया खिलाड़ी प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त रूप से बढ़िया न हो, और इससे टीम का प्रदर्शन प्रभावित हो सकता है। पर यह बात भारत को यह आत्मनिरीक्षण करने से रोक नहीं सकती कि क्योंकर उसकी आबादी के एक बड़े हिस्से से कोई खिलाड़ी राष्ट्रीय टीम से गायब है।जब 14 जून, 2025 के दिन इंग्लैंड के लॉर्ड्स क्रिकेट ग्राउंड पर टेम्बा बावुमा की टीम को टेस्ट क्रिकेट का विश्व चैंपियन का खिताब मिलते देखा, तो यादों में ढाई दशक पहले का एक अति मार्मिक और हिलाकर रख देने वाला पल कौंध गया, जब मैं जोहान्सबर्ग में क्रिकेट साउथ अफ्रीका के तत्कालीन मुख्य कार्यकारी अधिकारी गेराल्ड माजोला का साक्षात्कार कर रहा था। खेल रिपोर्टिंग पेशे के दौरान क्रिकेट की दुनिया में मेरी कई यात्राओं में दक्षिण अफ्रीका ऐसा देश रहा, जहां अतीत के घाव, इससे होते रिसाव की प्रकृति, उन्हें भरने के प्रयास और बदलाव का प्रतिरोध, सभी एक साथ अपना खेल करते दिखाई देते थे। ठीक वैसे ही, जैसा कि भारत में होता है।

जिस क्षण दक्षिण अफ्रीकी क्रिकेट प्रशासन के उस मुख्य कार्यकारी ने रंगभेद और भेदभाव की वजह से अपनी अश्वेत जाति को लगने वाली चोट का वर्णन करना शुरू किया, मैंने देखा कि उनके गालों पर आंसू बह रहे थे। किसी वयस्क को इस तरह रोते हुए देखना दुर्लभ है और आंखें मेरी भी नम हो गईं।बेशक दक्षिण अफ्रीका विविधता संपन्न देश है, लेकिन जिस तरह कुछ विशेषाधिकार प्राप्त लोगों के लाभ की एवज पर बहुसंख्यकों का शोषण और भेदभाव करने के लिए नस्लीय रंगभेद का इस्तेमाल किया जाता था, उससे यह माहौल भयावह भी लगता था। यह एक ऐसा देश रहा जहां अश्वेत अफ्रीकियों के साथ वाकई बहिष्कृतों जैसा व्यवहार किया जाता था, जब तक कि 1994 में श्वेत प्रशासन को सत्ता छोड़ने के लिए मजबूर नहीं किया गया,नेल्सन मंडेला इस परिवर्तन के एक उत्प्रेरक और प्रतीक बने। सत्ता हस्तांतरण ने कई बदलावों की शुरुआत की, जिनका उद्देश्य अश्वेत अफ्रीकियों को सशक्त बनाना था और उनमें से एक था घरेलू और राष्ट्रीय क्रिकेट टीमों में अश्वेत प्रतिनिधित्व को अनिवार्य बनाना। इसे 'कोटा सिस्टम' कहा जाता है, इसके तहत, वर्तमान में, राष्ट्रीय टीम में कम–से–कम दो अश्वेत और चार अन्य रंगों के लोगों को शामिल करना जरूरी है, कुछेक मामूली बदलावों के साथ।

जब 2002 में, उस साक्षात्कार में माजोला रो पड़े थे, कोटा सिस्टम खेल में श्वेत–निर्मित ढांचे को हिलाने लगा था और टीम संरचना में फेर–बदल होनी शुरू हो गई थी। दक्षिण अफ्रीका के लिए खेलने वाले अब तक के सर्वश्रेष्ठ तेज़ गेंदबाज़ों में से एक मखाया नितिनि टीम में चुने गए पहले अश्वेत क्रिकेटर थे। बाद में उन्होंने खुलासा किया कि टीम के श्वेत सदस्यों ने उन्हें कभी अपने में से एक नहीं माना, तिरस्कृत किया और अवांछित महसूस कराया। वे अपवाद नहीं थे, क्योंकि कई अन्य खिलाड़ियों को भी इसी तरह के व्यवहार का सामना करना पड़ा। उन्हें योग्यता के आधार पर नहीं बल्कि 'कोटा खिलाड़ी' के रूप में टीम में होने के कारण हल्के में लिया जाता था।लेकिन प्रशासक टस से मस नहीं हुए और आज लगता है कि उस बदलाव ने एक सकारात्मक परिणाम दिया है, जैसा कि बावुमा ने मैच उपरांत अपने भाषण में कहा 'एक विभाजित देश को एकजुट किया'। ऑस्ट्रेलिया पर दक्षिण अफ्रीका की जीत का जश्न मनाने वाले अधिकांश भारतीय क्रिकेट प्रशंसक शायद यह नहीं जानते कि यह अति कुख्यात 'आरक्षण' ही है, जिसने एक ऐसे देश की वास्तविक विविधता को प्रतिबिंबित करने में मदद की है, जिसका इतिहास विभाजनकारी संताप का रहा है। आज जबकि दक्षिण अफ्रीकी टीम में अश्वेत अफ्रीकियों का प्रतिनिधित्व है, यह महसूस करके दु :ख होता है कि भारतीय क्रिकेट इतिहास की शुरुआत से ही, टीम में शामिल किए गए किसी दलित और आदिवासी खिलाड़ी का नाम खोजने में खूब खंगालना पड़ता है।

आंतरिक जगत से अनभिज्ञता ही दुखों का कारण

अंतर्मन

डॉ. मधुसूदन शर्मा

हम जब साक्षी भावों से अपने मनोभावों का विश्लेषण करते हैं तो हम आंतरिक दुनिया से जुड़ते हैं। फिर हमारे तमाम संशय क्षीण होते जाते हैं। कमोबेश अनिर्णय की स्थिति खत्म होती है। हम खुद में एक नई ऊर्जा महसूस करते हैं।भौतिक लिप्साओं के सम्मोहन और दुनियावी चमक-दमक में डूबा मनुष्य जीवनपर्यंत यह नहीं जान पाता कि उसके जीवन का वास्तविक उद्देश्य आखिर क्या है। जन्म लेने से मृत्यु तक मनुष्य को पारिवारिक संस्था से सिखाने की आरंभ हुई प्रक्रिया स्कूल-कालेज होती हुए तकनीकी संस्थानों तक मनुष्य को ज्ञान देती रहती हैं। प्राचीन समय में बाह्य ज्ञान की आपाधापी में मनुष्य को खुद को पहचानने की सीख हमारा धर्म व अध्यात्म देता रहा है। ताकि जिससे मनुष्य अंतर्मुखी होकर अपनी आंतरिक शक्तियों को जान सके। हमारे ऋषि-मुनि सदियों से मनुष्य को खुद को जानने का मार्ग बताते रहे हैं। ताकि जिससे मनुष्य को अपनी आंतरिक शक्तियों का भान हो सके। हमारे आध्यात्मिक व धार्मिक गुरु अपनी आंतरिक यात्राओं के जरिये ही विशिष्ट ज्ञान व शक्तियों को ग्रहण करते रहे हैं। उनके यही गुण उन्हें सामान्य मनुष्य में विशिष्टता प्रदान करते हैं।

विडंबना यह है कि आज हमारा जीवन इतना कृत्रिम हो चला है कि हमने भौतिक सुख–सुविधाओं को ही जीवन का अंतिम हासिल मान लिया है। लेकिन वास्तव में यह मानवीय मूल्यों के क्षरण और आंतरिक शक्तियों के पराभाव का कारक है। हम अपने जीवन की उस गहन यात्रा से वंचित हो जाते हैं जो हमें भीतर की दुनिया की ओर ले जाती है। निस्संदेह, मनुष्य तभी पथभ्रष्ट और अमानवीय कृत्य करता है जब वह अंतर्मन की आवाज को अनसुना कर देता है। यही वजह है कि आज हमारा समाज संवेदनहीन होता जा रहा है। सही मायनों में संवेदनशीलता मनुष्य का अपरिहार्य गुण है। यह उच्च मानवीय अभिव्यक्ति है। ये भाव उसी व्यक्ति में मुखरित होते हैं जिसे अंतर्ज्ञान का बोध हो जाता है। यही भाव मनुष्य में परोपकार की भावना को जाग्रत करता है।दरअसल, कोई भी मनुष्य तब तक संपूर्ण नहीं हो सकता है जब तक कि वह खुद को न जान ले। दरअसल, जिस खुशी को हम भौतिक वस्तुओं व लिप्साओं में तलाशते हैं वह तो नश्वर संसार में हमारे क्षरण का जरिया है। दरअसल, असल खुशी तो आंतरिक होती है। जो हमारी मन :स्थिति पर निर्भर करती हैं। सही मायनों में सांसारिक सुखों में ही हमारे दुख के कारक निहित होते हैं। लेकिन अंतर्मन के ज्ञान को हासिल करने वाला व्यक्ति हर हाल में सुखी रहता है। हमारा जीवन लगातार यांत्रिक होता जा रहा है। सही मायनों में हम आज मशीनी जीवन शैली के पुर्जे मात्र बनकर रह गए हैं। विडंबना यह है कि हमारे जीवन का यह यांत्रिक चक्र जीवन पर्यंत यूं ही चलता रहता है। जब तक हमें वास्तविकता का अहसास होता है, तब तक बहुत देर हो चुकी होती है। दरअसल, हमारे पूर्वजों ने आश्रम व्यवस्था का सूत्रपात इसीलिए किया था कि एक निश्चित समय के बाद सांसारिक दायित्वों से मुक्त होकर वानप्रस्थ और संन्यास आश्रम के जरिये अंतर्मन की यात्रा की ओर उन्मुख हो सकें। लेकिन पश्चिमी जीवन शैली का अंधानुकरण करके हम आज जीवन में पंच–क्लेषों का ही अंगीकार कर रहे हैं। हमारे जीवन में आलस्य व प्रमाद का वर्चस्व बढ़ता जा रहा है।मनुष्य को पारिवारिक दायित्वों के निर्वहन के साथ ही खुद से पूछना चाहिए कि मेरे जीवन का वास्तविक उद्देश्य क्या हैज मेरा अंतर्मन से संवाद क्यों स्थापित नहीं हो पा रहा हैज क्या कभी हमने अपनी आंतरिक शक्तियों को जानने का प्रयास कियाज क्या हम आत्मविश्लेषण कर पा रहे हैं कि हमारे जीवन के लक्ष्य क्या हैंज। दरअसल, हम सजगता व व्यवस्थित जीवन शैली के जरिये ही गहन जीवन दृष्टि हासिल कर सकते हैं।

विष कन्या को मिला क्षेत्र छोड़ने का आखिरी अल्टीमेटम

» अब दायरे में रहो... या हद से बाहर हो जाओ!

» स्वराज इंडिया की खबरों का पुलिस ने लिया संज्ञान, दी सख्त चेतावनी

» पुलिस ने कई होटलों की भी जाँच कर रजिस्टर खंगाले

» कई दिनों से इलाके के युवाओं को बना रही थी शिकार

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

बिल्हौर (कानपुर)। हाल के दिनों में बिल्हौर में विष कन्या के नाम से चर्चा में आई युवती को पुलिस का अल्टीमेट मिल गया है। अल्टीमेटम मिलते ही उसने अपने अपना बोरी बिस्तर समेट कर यहां से पलायन कर दिया है। पुलिस ने सख्त चेतावनी देते हुए कहा है अब दायरे में रहो या हद से बाहर जाओ। जिससे युवाओं का भविष्य अंधकारमय होने से कुछ राहत मिली है। पुलिस ने बताया कि होटल संचालकों को भी चेतावनी दे दी गई है कि यदि इस तरह की युवती के उनके होटल में आने जाने की कोई जानकारी मिलती है तो वह कार्रवाई के लिए तैयार रहें। उन्होंने बताया कि पुलिस इस मामले में गंभीरता से काम कर रही है कि इस तरह के कार्यों को बढ़ावा न मिले।

गौरतलब है आपके लोकप्रिय दैनिक स्वराज इंडिया अखबार ने बीते दिनों इलाके में देह व्यापार के धंधे के चोरी छिपे पांव पसारने की कई खबरें प्रकाशित की थीं। खबरों में युवती के काम करने के तौर तरीके के साथ साथ उसके हुलिए की भी चर्चा की गई थी। युवती के जाल में फंस चुके कई युवकों ने ही चौंकाने वाले खुलासे किए थे। खबरों की गंभीरता को देखते हुए पुलिस सक्रिय हुई। और खबरों की पड़ताल शुरू की। जिसमें मामला सही पाया गया। इससे एक दिन हाईवे पर पुलिस की नजर उस युवती पर पड़ गई। पुलिस ने अधीनस्थों के जरिए बुलाकर उसे चेतावनी दे दी है कि वह इस क्षेत्र से दूर चली जाए और इस सामाजिक अपराध से खुद को दूर कर ले। अन्यथा कार्रवाई के लिए तैयार रहे। ऐसे में उम्मीद जगी है कि युवाओं का भविष्य देह व्यापार को अंधेरी गलियों में जाने से बच जाएगा।

FOLLOW UP

स्वराज इंडिया www.swarajindianews.com कानपुर आसपास कानपुर,सोमवार 23 जून 2025 07

'विष कन्या नेटवर्क' पर बिल्हौर और अरौल पुलिस एक्शन मोड में!

» दोनों थाना क्षेत्रों के इंस्पेक्टरों ने लिया संज्ञान

» अरौल इंस्पेक्टर ने कहा नेटवर्क की कड़ियां तलाश रहे

» बिल्हौर इंस्पेक्टर ने कहा जल्द लगाम लगाते हैं

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर(कानपुर)। स्वराज इंडिया की पड़ताल सुरमई रातों की स्याह तिजारत और विष कन्या नेटवर्क के खुलासे के बाद बिल्हौर और अरौल थाना पुलिस हरकत में आ गई है। दोनों क्षेत्रों के थानाध्यक्षों ने इस मामले को गंभीरता से ले लिया है। स्थानीय खुफिया इकाई और बीट पुलिस को सक्रिय कर दिया है।

सूत्रों के मुताबिक पुलिस अब पार्लर, होटलों और संदिग्ध ठिकानों पर निगरानी बढ़ा रही है। खासकर वो चार सक्रिय अड्डे जिस पर उस सुंदरी का ठहराव रहता है।

पुलिस उन लड़कों पर भी नज़र बनाए है जो उस नशे में चकनाचूर हो चुके हैं। और रात को रंगीन करने के लिए उस हसीना के टच में आते हैं।

क्या मास्टर माइंड तक पहुंच पायेगा कानून?

बिल्हौर- प्रशासन की सक्रियता से सवाल यह उठता है कि क्या इस नेटवर्क के पीछे के मास्टरमाइंड तक पहुंच पायेगा क़ानून या फिर चुप हो जाएंगी सुरमई रातें..?

तो एक ऑटो वाला हाथ गंदे किए है

स्वराज इंडिया की पड़ताल में एक खुलासा और हुआ। नाम न छापने की शर्त पर एक युवक ने बताया कि उस विष कन्या को एक ठिकाने से दूसरे ठिकाने तक पहुंचाने के लिए बाकायदा एक ऑटो वाला उसका सागिर्द है। जो आमदनी के साथ-साथ अपने हाथ भी गंदे किए है।

स्वराज इंडिया — देह व्यापार — बिल्हौर-अरौल तक फैला हुआ है विष कन्या का नेटवर्क

चाय की चुस्कियों और सिगरेट के धुएं में सुंदरी का इंतज़ार!

बिल्हौर। रात के सन्नाटे में जब पूरा नगर नींद में डूबने की तैयारी कर रहा होता है तो कुछ शरारती निगाहें और बेपरवाह बाइकें चौराहों और ढाबों पर मंडराया करती थीं। चाय की हर चुस्की के साथ सिगरेट का एक कश, और हर धुएँ के बाद एक खामोश उम्मीद कि शायद आज 'सुंदरी' आएगी। कहते हैं, ये वो आशिक़-मिज़ाज लोग थे, जिनकी रातें बेवजह जागी नहीं जाती थीं। ये इंतज़ार महज़ चाय या सिगरेट का नहीं था, ये इंतज़ार था एक चेहरा देखने काए एक मुलाक़ात काए या फिर किसी छलावे का। अब जब सवाल जवाब बन रहे हैं और सड़कें जांच के घेरे में आ चुकी हैं, तो वही चेहरे अब पुलिस की निगाह में हैं। कस्बे और गांव की रातें अब पहले जैसी नहीं रहीं और चाय की चुस्कियाँ अब निगरानी के स्वाद में घुल चुकी हैं।

मोबाइल कॉल लिस्ट में कई चौंकाने वाले नाम

स्वराज इंडिया से बात करते हुए बलराम नगर निवासी एक युवक ने चौंकाने वाला दावा किया। उसके मुताबिक,एक दिन देर रात स्टेशन पर वो युवती टहल रही थी। मैंने उससे बातचीत में उसका नाम पूछा और मोबाइल चेक किया तो जो देखा, वो हैरान करने वाला था। व्हाट्सएप्प कॉल लिस्ट में नगर पालिका के धरनों में बढ़-चढ़ कर हिस्सा लेने वाले एक चर्चित सभासद का नंबर था और भी कई नामचीन चेहरों के नंबर सेव थे।उसने कहा, उस कॉल लिस्ट से इतना तो साफ हो गया कि इस दलदल में कई प्रतिष्ठित लोग फंसे हैं। अब ये अलग बात है कि कोई बोल नहीं रहा, पर सब जानते हैं कि दामन कहां-कहां गंदा हो चुका है।

होटल की एंट्री पर कड़ा पहरा

बिल्हौर ।अरौल व आस-पास के होटलों में पिछले कुछ समय में किन-किन लोगों ने ठहराव किया। इसकी समीक्षा के लिए पुलिस ने रजिस्टर खंगालने शुरू कर दिए हैं। सूत्रों की माने तो पुलिस को कुछ संदिग्ध प्रविष्टियाँ मिली हैं, जिन्हें ध्यान से खंगाला जा रहा है। थाना प्रभारी का कहना है कि अब किसी भी होटल में बिना पहचान पत्र के कमरा दिया गया तो कठोर कार्रवाई की जाएगी। होटल संचालकों को स्पष्ट निर्देश दिए गए हैं। हर एंट्री लिखित हो, कोई भी गतिविधि संदिग्ध हो तो तत्काल पुलिस को सूचना दें।

आरआरसी सेंटर बना 'आवास' लाखों की योजना चारपाई तले

» कुरसौली में ताले की जगह तखद आरआरसी में जमाया डेरा

प्रधान बोले सचिव ने लूटी विकास की राशि, कई बार की शिकायत, कार्रवाई शून्य

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। उत्तर प्रदेश सरकार की बहुप्रचारित स्वच्छ भारत मिशन योजना के तहत कानपुर जिले में ग्राम पंचायतों को कूड़ा प्रबंधन के लिए आरआरसी (रिसोर्स रिकवरी सेंटर) निर्माण की सौगात दी गई। करीब 35.5 करोड़ रुपये की लागत से 309 ग्राम पंचायतों में ये केंद्र बनाए गए। उद्देश्य था गांवों को स्वच्छ, सुंदर और स्वस्थ बनाना। लेकिन अफसरों की लापरवाही और पंचायत सचिवों की भ्रष्ट कार्यशैली ने इस योजना को मजाक बना दिया है।

कल्याणपुर ब्लॉक की ग्राम पंचायत कुरसौली इसका जीता-जागता उदाहरण है। यहां आरआरसी सेंटर महिनों पहले बनकर तैयार तो हो गया, लेकिन आज तक संचालित नहीं हो सका। हालात यह हैं कि जिस केंद्र में कूड़ा निस्तारण, छंटाई और पुनर्चक्रण की मशीनें होनी चाहिए थीं, वहां अब कोई व्यक्ति तखत, खटिया और बिस्तर लेकर रह रहा है। सेंटर अब एक निजी निवास बन चुका है, जबकि इसके दरवाजे पर फ़स्वच्छ भारत मिशनफ़ का बोर्ड लटका है।ग्राम प्रधान अमित सिंह ने खुले तौर पर पंचायत सचिव संजय कुमार मिश्रा पर भ्रष्टाचार के गंभीर आरोप लगाए हैं। उनका कहना है कि सचिव ने ग्राम पंचायत के विकास कार्यों में भारी गड़बड़ी की है और सरकारी योजनाओं की राशि का दुरुपयोग किया है। यही नहीं, इस संबंध में कई बार बीडीओ कल्याणपुर ब्लॉक और सीडीओ कानपुर को शिकायती पत्र सौंपे गए, लेकिन अब तक कोई कार्रवाई नहीं हुई। इससे ग्रामीणों में आक्रोश बढ़ता जा रहा है।

प्रधान के अनुसार, फ़जब सरकार गांवों को साफ-सुथरा बनाने के लिए करोड़ों रुपये खर्च कर रही है, तब ऐसे अधिकारियों की वजह से योजना का उद्देश्य ही बर्बाद हो रहा है। अगर कोई गरीब व्यक्ति गलती से पंचायत भवन के बरामदे में भी रात गुजार ले तो प्रशासन तुरंत उसे बेदखल कर देता है, लेकिन यहां तो सरकारी भवन में बकायदा चारपाई डालकर निवास किया जा रहा है, और अधिकारी मौन हैं।

ग्रामवासियों का भी कहना है कि जबसे आरआरसी बना है, तब से वहां कभी कोई कूड़ा उठाव या निस्तारण नहीं हुआ। अब तो ग्रामीण कूड़ा बाहर डालने को मजबूर हो गए हैं। इससे न केवल गांव की गरिमा को ठेस पहुंच रही है, बल्कि संक्रमण और गंदगी का खतरा भी बढ़ गया है।

यह पूरा मामला न केवल सरकारी धन की बर्बादी का प्रमाण है, बल्कि ग्राम विकास और स्वच्छता के नाम पर चल रहे कागजी खेल का आईना भी है। अगर जल्द ही इस पर सख्त कार्यवाही नहीं की गई, तो यह स्वच्छता मिशन भी भ्रष्टाचार के कूड़े में दबकर रह जाएगा।

सिटी बस सेवा अरौल तक चलने की उम्मीद जागी

» भाजपाइयों ने सांसद को पत्र सौंप की मांग

» सांसद ने रेलमंत्री से वार्ता कर दिया सकारात्मक आश्वासन

स्वराज इंडिया संवाददाता

बिल्हौर। कानपुर से बिल्हौर के बीच चलने वाली सिटी बस सेवा के जल्द विस्तार की उम्मीद जागी है। बिल्हौर से भाजपा के मंडल अध्यक्ष शुभ्रांशु कटियार सहित कई पदाधिकारियों की पहल पर मामले में सांसद अशोक रावत से दखल करने की मांग हुई है।

सांसद अशोक रावत को सौंपे गए पत्र में कहा गया है कि उत्तर प्रदेश परिवहन निगम की सिटी बस सेवा जो कि अभी कानपुर से बिल्हौर तक उपलब्ध है। उसे बिल्हौर से बढ़ाकर अरौल तक किया जाना चाहिए। पत्र में कहा गया है अरौल इलाके से विश्व संख्या में लोगों का कानपुर सहित दूसरे क्षेत्रों तक आना जाना होता है। सिटी बस के अभाव में उन्हें ई रिक्शा और ऑटो पर निर्भर रहना पड़ता है। अरौल तक बस चलने से यातायात की समस्या का निदान हो जाएगा। भाजपा पदाधिकारियों की मांग पर सांसद अशोक रावत ने तत्काल उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री दयाशंकर जी से वार्ता कर विश्वास दिलाया कि जल्द से जल्द यह सुविधा अरौल को मिलेगी।

जनसुविधा पर ताला, जिम्मेदारों की जेब में तिजोरी

» सुरार ग्राम पंचायत में सामुदायिक शौचालय बना भ्रष्टाचार की मिसाल

» प्रधान और सचिव की अनदेखी से राहगीर और महिलाएं परेशान

प्रमुख संवाददाता दैनिक स्वराज इंडिया

कानपुर। कल्याणपुर विकासखंड की ग्राम पंचायत सुरार में सरकार की लाख कोशिशों के बावजूद सामुदायिक शौचालय भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ता नजर आ रहा है। टिकरा से भौती जाने वाले मुख्य मार्ग पर स्थित यह सार्वजनिक शौचालय लंबे समय से ताले में बंद पड़ा है। वहीं, कागजों में इसके संचालन और रखरखाव के नाम पर हर महीने फंड जारी होता है, जो ग्राम पंचायत के जिम्मेदारों की जेब में जाता दिखाई दे रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, शौचालय कभी भी आमजन के लिए उपयोग में नहीं लाया गया। न कोई सफाईकर्मी तैनात है, न ही कोई रखरखाव होता है। महिलाओं और राहगीरों को खुले में शौच के लिए मजबूर होना पड़ता है, जो सुरक्षा, सम्मान और स्वच्छता तीनों पर सीधा हमला है। शिकायतों और मांगों के बावजूद आज तक कोई ठोस कार्यवाही नहीं की गई है।

पैसे कागजों में खर्च, ज़मीनी हकीकत सूनापन

ग्राम प्रधान पंकज यादव और सचिव बीना यादव इस समस्या से भलीभांति अवगत हैं, फिर भी सिर्फ खानापूर्ति हो रही है। ग्रामीणों ने आरोप लगाया है कि शौचालय के नाम पर

सिर्फ रजिस्टर भरे गए हैं, हकीकत में कोई सेवा नहीं मिल रही। महिलाओं के स्वयं सहायता समूहों ने अब आंदोलन की चेतावनी दी है, जबकि ग्रामवासी आगामी दिनों में ब्लॉक और जिला मुख्यालय पर प्रदर्शन की योजना बना रहे हैं।

स्वराज इंडिया इस गंभीर मुद्दे को लगातार पांचवीं बार उजागर कर रहा है, लेकिन पंचायत स्तर से लेकर जिला प्रशासन तक कहीं कोई ठोस जवाबदेही नहीं दिख रही है। सवाल उठता है जब सुविधाएं जनता के लिए नहीं, तो फंड किसके लिए?

ग्राम पंचायतों में स्वच्छता पर डीएम सख्त, आरआरसी संचालन के निर्देश

» 10838 शौचालय आवेदनों का निस्तारण एक सप्ताह में करने का अल्टीमेटम

» सीसीटीवी, FSM यूनिट, प्लास्टिक वेस्ट प्रबंधन पर भी तेज़ी लाने के निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। जिलाधिकारी आलोक सिंह की अध्यक्षता में जिला स्वच्छता समिति और स्वच्छ भारत मिशन मैनेजमेंट कमेटी की बैठक मां मुक्तेश्वरी देवी सभागार कलेक्ट्रेट में आयोजित की गई।

बैठक में जिला एवं ब्लॉक स्तर के अधिकारी, ग्राम प्रधान रनियां और जिला पंचायत सदस्य तिलौंची मौजूद रहे। डीएम ने निर्देश दिए कि जिले की सभी ग्राम पंचायतों में पहले से निर्मित रिसोर्स रिकवरी सेंटर (आरआरसी) का सुचारु संचालन और कूड़ा कलेक्शन सुनिश्चित किया जाए। साथ ही त्रिनेत्र ऑपरेशन के तहत लगाए जाने वाले सीसीटीवी कैमरों की स्थापना को जल्द पूर्ण कराने को कहा।

बैठक में बताया गया कि व्यक्तिगत शौचालय के लिए 10838 आवेदन लंबित हैं, जिनका निस्तारण अब तक नहीं हो पाया है। डीएम ने सभी खंड विकास

अधिकारियों व एडीओ पंचायत को निर्देशित किया कि सभी आवेदनों का एक सप्ताह में निस्तारण कराएं।

इसके अतिरिक्त FSM यूनिट की स्थापना, ग्राम पंचायतों में क्रेडिट लिमिट निर्धारण, रेट्रोफिटिंग सर्वे, प्लास्टिक वेस्ट मैनेजमेंट यूनिट और वित्तीय वर्षों 2023-24 व 2024-25 के आरआरसी निर्माण की प्रगति पर भी समीक्षा की गई।

डीएम ने कहा कि जिन ग्राम पंचायतों में भूमि विवाद है, वहां की सूची तुरंत प्रस्तुत की जाए ताकि निर्माण कार्य में

कोई बाधा न रहे। बैठक में मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. एके सिंह, पीडी वीरेंद्र सिंह और जिला पंचायत राज अधिकारी विकास पटेल सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

10 दिन से बंद पानी सप्लाई, मलासा गांव की 3500 आबादी बेहाल

» जली मोटर नहीं हुई दुरुस्त, अफसरों की लापरवाही से लोग तरसे बूंद-बूंद पानी को

» जल जीवन मिशन योजना फेल, जिम्मेदार नहीं दिखा रहे कोई गंभीरता

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मलासा विकासखंड के मलासा गांव में जल जीवन मिशन योजना की बड़ी लापरवाही उजागर हुई है। गांव में बनी पानी की टंकी की मोटर जले 10 दिन से ज्यादा हो चुके हैं, लेकिन अब तक मरम्मत नहीं हो पाई। इससे करीब 3500 की आबादी पेयजल संकट से जूझ रही है। सरकार जहां हर घर तक शुद्ध जल पहुंचाने का दावा कर रही है, वहीं अधिकारी इस योजना को गंभीरता से नहीं ले रहे। लाखों की लागत से बनी पानी की टंकी और घर-घर किए गए कनेक्शन बेकार साबित हो रहे हैं। मोटर जलने के बाद जल आपूर्ति पूरी तरह से ठप है, और अब गांव के पुराने हैंडपंप भी बंद पड़े हैं।गांव में बिजली बाधित होते ही जल संकट और गंभीर हो जाता है। हैरानी की बात ये है कि जल निगम और जल जीवन मिशन के अधिकारियों को जानकारी दिए जाने के बावजूद अब तक कोई कार्रवाई नहीं की गई है। ग्रामीणों में विभागीय उदासीनता को लेकर भारी नाराजगी है।

क्या बोले जिम्मेदार अधिकारी

संजय सिंह, सहायक अभियंता, जल निगम, कानपुर देहात ने बोला गांव में जलापूर्ति क्यों बंद है, इसकी जानकारी नहीं थी। अब तत्काल जांच कराई जा रही है। लापरवाही किसी भी हाल में बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

अकबरपुर मंडल में सुनी पीएम के मन की बात

» वृक्षारोपण व पत्रक वितरण कार्यक्रम आयोजित

स्वराज इंडिया संवाददाता

माती। भारतीय जनता पार्टी के अकबरपुर मंडल के शक्ति केंद्र तिवारीपुरवा अंतर्गत बूथ संख्या 142 पतारी एवं 143 मसोथा पर डॉ. श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर माल्यार्पण एवं पुष्पांजलि कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसके उपरांत प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मन की बात कार्यक्रम के 123वें भाग को ग्रामीणों ने सुना।

आशीष गुप्ता,मंडल महामंत्री, भाजपा अकबरपुर मंडल ने बताया कि इस अवसर पर एक पेड़ मां के नाम अभियान के अंतर्गत वृक्षारोपण भी किया गया तथा केंद्र सरकार की 11 वर्षों की योजनाओं से संबंधित पत्रक वितरित किए गए।कार्यक्रम में मंडल मंत्री राहुल तिवारी, शक्ति केंद्र संयोजक विष्णुकांत शुक्ला, बूथ अध्यक्ष अभिषेक दीक्षित, ज्ञानेंद्र, गोपाल पांडे सहित अनेक कार्यकर्ता और ग्रामीणजन उपस्थित रहे।

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक सपना देवी द्वारा हर्षिता प्रिंटर्स 127/875, साकेत नगर, कानपुर नगर- (उप्र) से मुद्रित व 119/13, दर्शनपुरवा, कानपुर नगर- 208012 (उप्र) से प्रकाशित। संपादकः अनूप कुमार RNI No.: UPHIN/2023/86769 | Email: swarajindia2023@gmail.com | Mob: 7800009853, | Website: www.swarajindianews.com | (समस्त वाद-विवाद कानपुर न्यायालय के अधीन होंगे)

नवनिर्माणाधीन टंकी का निरीक्षण, मंत्री जी ने दिए गुणवत्ता परख निर्देश

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

कानपुर देहात। मत्स्य एवं जनपद के प्रभारी मंत्री डॉ. संजय कुमार निषाद ने शनिवार को सिकंदरा नगर पंचायत में पाइप पेयजल योजना के अंतर्गत नवनिर्माणाधीन पानी की टंकी के निर्माण कार्य का औचक निरीक्षण किया। मंत्री ने निर्माण कार्य की गुणवत्ता जांची और संबंधित अधिकारियों व कार्यदायी संस्था को निर्देश दिए कि कार्य समयबद्ध ढंग से पूरा किया जाए। उन्होंने विशेष रूप से पाइप लाइन में लीकेज को रोकने के लिए इलेक्ट्रो फ्यूजन तकनीक के उपयोग पर बल दिया। संस्था द्वारा बताया गया कि यह विधि पाइप में लीकेज की संभावना को लगभग शून्य कर देती है।

» **पेयजल योजना के कार्य में लीकेज रोकने को कहा तकनीक का इस्तेमाल**

» **समयबद्ध व गुणवत्तापूर्ण निर्माण कार्य सुनिश्चित हो: मंत्री**

» **जनता दर्शन में सुनकर दिए समस्याओं के निस्तारण के निर्देश**

कार्यदायी संस्था ने यह भी अवगत कराया कि एचडीडी पाइप के माध्यम से हर घर को पेयजल कनेक्शन दिया जा रहा है, और जुलाई 2025 तक योजना पूर्ण कर ली जाएगी। सभी फिटिंग का परीक्षण भी तय प्रक्रिया के अनुसार किया जाएगा। मंत्री ने स्पष्ट निर्देश दिए कि आमजन को स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराना सर्वोच्च प्राथमिकता होनी चाहिए।

जनता दर्शन में समस्याएं सुनीं, अधिकारियों को दिए समाधान के निर्देश

तत्पश्चात मंत्री डॉ. संजय निषाद ने तहसील सिकंदरा के सभागार कक्ष में जनता दर्शन आयोजित किया, जहां उन्होंने आम नागरिकों की समस्याएं गंभीरता से सुनीं। उन्होंने मौके पर मौजूद अधिकारियों को निर्देश दिया कि हर शिकायत का समय से और गुणवत्तापूर्ण निस्तारण सुनिश्चित किया जाए। इस अवसर पर पुलिस अधीक्षक अरविंद मिश्र, अपर जिलाधिकारी अमित कुमार, मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. ए.के. सिंह समेत संबंधित विभागों के अधिकारी उपस्थित रहे।

बरौर में ब्राह्मण संस्कृति के संरक्षण का लिया संकल्प

स्वराज इंडिया संवाददाता

कानपुर देहात। सिर पर शिखा, माथे पर तिलक और हाथ में कलावा—यही ब्राह्मण की पहचान है। आने वाली पीढ़ी को यज्ञोपवीत संस्कार के पश्चात जनेऊ अवश्य पहनाना चाहिए।卐 यह विचार गौरियापुर के महंत ने बरौर में आयोजित ब्रम्ह राष्ट्रीय चेतना परिषद की स्थापना समारोह में व्यक्त किए।

बरौर के शुक्ला गेस्ट हाउस में हुए इस आयोजन में परिषद का विधिवत गठन किया गया। कार्यक्रम का शुभारंभ आचार्य पुनीत त्रिवेदी द्वारा वैदिक मंत्रोच्चार व हवन-पूजन से हुआ। उन्होंने उपस्थित जनों से आह्वान किया कि ब्राह्मण समाज की पहचान न केवल उसके ज्ञान में है, बल्कि उसके संस्कारों में भी है। चार वेद, छह शास्त्र और अठारह पुराण पढ़ना-पढ़ाना हमारी परंपरा है, जिसे हमें अपनी अगली पीढ़ियों तक जीवित रखना होगा। उन्होंने बच्चों को सुबह उठकर धरती माँ को प्रणाम, सूर्य नमस्कार और बुजुर्गों का सम्मान सिखाने की बात पर विशेष जोर दिया।

कार्यक्रम की अध्यक्षता रवीन्द्रनाथ मिश्रा ने की। इस अवसर पर अनंतापुर निवासी छात्र आदर्श मोहन त्रिवेदी को हथ्श्वञ परीक्षा में देश में 145वीं रैंक प्राप्त करने पर पूर्व जिलाध्यक्ष राहुलदेव अग्निहोत्री द्वारा प्रतीक चिन्ह और अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया।

इसके साथ ही उपस्थित संतजनों, वरिष्ठ शिक्षकों व मीडिया प्रतिनिधियों को भी अंगवस्त्र प्रदान कर सम्मानित किया गया। सम्मानितजनों में सुरेन्द्र नाथ, चंद्रप्रकाश द्विवेदी शास्त्री (दमनपुर), शिवनंदन तिवारी (तिगाई), सत्यनारायण शुक्ल (रैगवा), श्याम नारायण शुक्ल (भड़ावल), प्रद्युम्न शुक्ल (मैथा), बृजेंद्र नाथ मिश्र, अनिल कुमार बाजपेई, जनार्दन त्रिपाठी समेत अन्य गणमान्यजन शामिल रहे। इस दौरान राम भरोसे शास्त्री ने कहा कि ब्राह्मण कुल में जन्म लेना स्वयं में गर्व की बात है

कार्यक्रम में राहुल देव अग्निहोत्री, रचना त्रिपाठी, मुनेश शुक्ला (डेरापुर), जीतेंद्र द्विवेदी एडवोकेट, धर्मेंद्र मिश्र (अकबरपुर), कमलेश मिश्रा, सोनू मिश्रा (सरवनखेड़ा), दिनेश मिश्रा (पूर्व प्रधान संघ अध्यक्ष राजपुर), शिव प्रसाद मिश्रा, राजेश अवस्थी, अंबुज पराग दुबे एडवोकेट, रवींद्र शुक्ल (पूर्व ब्लॉक प्रमुख), रजोल शुक्ला (रूरा), अंकित शुक्ल एडवोकेट, श्याम जी दीक्षित (पुखरायां), आशाराम शुक्ला, मयंक शुक्ला, सूर्यकांत मिश्रा, अजय चतुर्वेदी (डेरापुर), रामबाबू शुक्ला, किरण अवस्थी, भोला उपाध्याय, अनुज अवस्थी, महेश शुक्ल, प्रेमचंद्र त्रिपाठी, विकास शर्मा, सूरज चतुर्वेदी, कैलाश चतुर्वेदी, देवांश दीक्षित (सरगांव), रामनाथ मिश्रा, राम शंकर शुक्ल, आदर्श दीक्षित, अशोक शुक्ला, नरेश द्विवेदी एडवोकेट, सुरेन्द्र नाथ, अरविंद अवस्थी सहित बड़ी संख्या में समाज के प्रमुखजन उपस्थित रहे।

खास खबर

रथ यात्रा में विवाद की जांच करेंगे एसीपी चकेरी

निर्मल तिवारी/स्वराज इंडिया

कानपुर। **महानगर की 3 सौ साल पुरानी जगन्नाथ रथ यात्रा के पहले पनकी मंदिर के दोनों महंतों द्वारा बादशाही नाका थाना प्रभारी पर अभद्रता करने के आरोपों की जांच एसीपी चकेरी अभिषेक पांडे को सौंपी गई है। सूत्रों ने बताया एसीपी चकेरी अभिषेक पांडे इस पूरे घटनाक्रम से संबंधित विभिन्न पहलुओं की जांच के साथ ही इस तथ्य की भी जांच करेंगे कि क्या आयोजकों ने रथ यात्रा में तय मानक के अनुरूप साउंड सिस्टम लगाए थे।**

बीते शुक्रवार को कानपुर की प्रतिष्ठित जगन्नाथ रथ यात्रा के आयोजक पनकी मंदिर के दोनों महंत ने आरोप लगाया कि बादशाही नाका थाना प्रभारी ने महंतों को गाली दी है और कहा कि जब तक उक्त थाना प्रभारी को सस्पेंड नहीं किया जाएगा, रथ यात्रा नहीं निकाली जाएगी। महंतो के अपमान की जानकारी मिलते ही सत्ता पक्ष और विपक्ष के नेताओं के साथ ही तमाम श्रद्धालु नया गंज चौराहे पर एकत्रित हुए जहां महंत धरने पर बैठे हुए थे। कई घंटों तक जब महंतों की बातें नहीं मानी गईं तो उन्होंने रात 8 बजे का अल्टीमेटम देते हुए घोषणा कर दी कि यदि थाना प्रभारी को सस्पेंड नहीं किया गया तो वह आत्मदाह कर लेंगे। महंतों की इस घोषणा से क्षेत्र में सनसनी फैल गई और लोगों में रोष बढ़ गया। लगभग 8 घंटे चले इस घटनाक्रम में जब कई चरणों की वार्ता के बाद भी कोई निष्कर्ष नहीं निकला तो स्थानीय भाजपा नेताओं ने सीएम योगी आदित्यनाथ को पूरे घटनाक्रम से अवगत कराया। सीएम योगी के हस्तक्षेप के बाद थाना प्रभारी बादशाही नाका राजीव कुमार को सस्पेंड

» पनकी मंदिर के दोनों महंतों ने थाना प्रभारी पर लगाए थे अभद्रता के आरोप

» एसीपी चकेरी अभिषेक पांडे को सौंप गई जांच

» लोगों द्वारा मौके पर बनाए गए वीडियो हो सकते हैं अहम

» आसपास के सीसीटीवी कैमरों की रिकॉर्डिंग भी जांच में होगी अहम

करने की घोषणा की गई। उसके बाद रथ यात्रा का श्रीगणेश हुआ।

अफसरों ने किया था बीच का रास्ता निकालने का प्रयास

आरोप और धरने की जानकारी होते ही पुलिस अफसरों ने मामले को सुलझाने का पूरा प्रयास किया। सूत्रों का कहना है कि अफसर इस मामले को गलतफहमी से उपजा विवाद मान रहे थे। विवाद के दौरान वहां मौजूद रहे सूत्र ने बताया कि वार्ता के दौरान पुलिस अफसरों ने उक्त थाना प्रभारी को बादशाही नाका थाने से हटाने और उक्त प्रभारी द्वारा दोनों महंतों से पैर छूकर माफी मंगवाने की बात कही। लेकिन बिना ठोस सबूत और प्रारंभिक जांच किए बगैर सस्पेंड करने की बात को नकार दिया था।

महंतों को विश्वास में लेने की हुई थी कवायद

रथ यात्रा के पहले उपजे विवाद को सुलझाने के लिए कुछ दिन पहले तक एसीपी कल्याणपुर रहे और वर्तमान में एसीपी चकेरी की जिम्मेदारी निभा रहे अभिषेक पांडे को भी दोनों महंतों को समझाने के लिए ही बुलाया गया था। साथ ही पनकी थाना प्रभारी मानवेंद्र सिंह को भी वार्ता के दौरान रखा गया। अफसरों को उम्मीद थी इनके सहयोग से महंतों को मनाने में सफलता मिलेगी लेकिन दोनों ही महंत अपने रूख से टस से मस नहीं हुए।

महंतों ने धार्मिक परंपरा से अधिक निजी स्वाभिमान को दिया महत्व

इस पूरे घटनाक्रम में कनपुरियों की राय बंटी हुई है। एक तबका पनकी महंतों द्वारा अपनाए गए रूख का समर्थन कर रहा है तो वहीं एक तबका ऐसा भी है जो महंतों द्वारा निजी अपमान के आरोपों को इस तरह तूल देकर एक धार्मिक परंपरा को रोकने की धमकी देने से सहमत नहीं है। सोशल मीडिया में महंत कृष्णदास का एक 30 सेकंड का वीडियो भी बहुत ज्यादा वायरल हुआ है जिसमें तमाम यूजर्स उनकी भाषा पर प्रश्न चिन्ह लगाते हुए उनके आचरण को गलत ठहरा रहे हैं। लोगों का कहना है कि महंत को अपने अपमान के मामले को उच्च अधिकारियों के समक्ष रखने के बाद रथ यात्रा के सुचारू और निर्विघ्न संपन्न होने का मार्ग प्रशस्त करना चाहिए था। रथ यात्रा संपन्न होने के बाद भी महंत यह सब कर सकते थे।

दोनों महंतों का रहा है विवादों से गहरा नाता

कानपुर का पनकी मंदिर जहां एक और सदियों से लोगों की अगाध आस्था का केंद्र रहा है, वहीं लंबे समय तक इन दोनों महंतों की आपसी कलह के चलते विवादों का केंद्र भी रहा है। कुछ वर्ष पहले महंत जितेंद्र दास ने तत्कालीन पनकी थाना प्रभारी पर इन्हीं महंत कृष्ण दास से मिली भगत कर उनके खिलाफ साजिश रचने का आरोप लगाया था। उस समय भी बुढ़वा मंगल के दौरान महंत जितेंद्र दास ने मांगे ना मानने पर आत्मदाह की धमकी दी थी। इतना ही नहीं कुछ वर्ष पूर्व महंत कृष्ण दास ने महंत जितेंद्र दास पर दान पात्र से रुपए चोरी करने तक का आरोप लगाया था और तब महंत जितेंद्र दास ने प्रेस वार्ता कर आरोपों का खंडन किया था और महंत कृष्ण दास के खिलाफ 10 करोड़ के मानहानि का दावा करने की बात कही थी।

मारपीट मामले में दोनों तरफ से क्रॉस एफआईआर

कानपुर में रथ यात्रा के दूसरे दिन मारपीट का एक मामला सामने आया था जिसमें दोनों ही पक्षों ने एक दूसरे के खिलाफ एफआईआर दर्ज कराई है। ज्ञातव्य है कि कानपुर में रथ यात्रा के दूसरे दिन दो मंडल आपस में भिड़ गए थे और उनके बीच जबरदस्त मारपीट हो गई थी। वैश्य समाज के दोनों गुटों के बीच मारपीट की यह घटना स्थानीय सपा विधायक अमिताभ बाजपेई के पंडाल के पास हुई थी।

पुलिस ने उस समय तत्परता दिखाते हुए दोनों गुटों को अलग कर यात्रा को निर्विघ्न संपन्न कराया था।

मारपीट मामले में ओमर वैश्य बाल गोपाल जी सेवा समिति के दीप कुमार ओमर ने सुधीर गुप्ता समेत 15 लोगों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। वहीं दूसरे पक्ष दोसर वैश्य नवयुवक मंडल के अध्यक्ष मनोज कुमार गुप्ता ने रजत गुप्ता सहित 25 लोगों के खिलाफ तहरीर देकर रिपोर्ट लिखाई। पुलिस का कहना है इस मामले में दोनों पक्षों की तहरीर पर रिपोर्ट दर्ज की गई है। विवेचना में प्राप्त तथ्यों के आधार पर अग्रिम कार्यवाही की जाएगी।

सुहागरात पर पति का खून!

जबलपुर निवासी इंद्र कुमार तिवारी की संपत्ति हड़पने के लिए रची गई खौफनाक साजिश, नवविवाहिता बनी कातिल

स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर/जबलपुर। एक दिल दहला देने वाला मामला सामने आया है, जिसमें शादी और प्रेम का झूठा जाल बुनकर एक युवक की हत्या कर दी गई। गोरखपुर की एक युवती ने फर्जी पहचान के सहारे जबलपुर निवासी इंद्र कुमार तिवारी से शादी की और फिर सुहागरात की रात ही अपने प्रेमी और साथी के साथ मिलकर उसकी हत्या कर दी।

जबलपुर के इंद्र कुमार तिवारी ने प्रसिद्ध कथावाचक अनिरुद्धाचार्य से अपने विवाह की चिंता और 18 एकड़ जमीन की बात साझा की थी। इसी जानकारी का फायदा उठाते हुए गोरखपुर की साहिबा बानो ने खुशी तिवारी के नाम से फर्जी पहचान बनाकर उससे संपर्क किया और जल्दबाजी में शादी करने का दबाव बनाया।

इंद्र को भरोसे में लेकर साहिबा उर्फ खुशी तिवारी ने अपने प्रेमी कौशल कुमार और साथी समसुद्दीन के साथ मिलकर उसे कुशीनगर के

» 18 एकड़ जमीन के लिए युवक की हत्या

कसया स्थित एक होटल में बुलाया। होटल के कमरे में मांग में सिंदूर लगाकर विवाह का नाटक रचा गया।

साजिश का खौफनाक अंजाम

इसके बाद तीनों ने मिलकर इंद्र से एक हलफनामा लिखवाया कि उसकी मृत्यु के बाद उसकी सारी संपत्ति साहिबा को मिलेगी। उसी रात इंद्र को नींद की गोलियां खिलाई गईं और जब वह अचेत हो गया, तो उसे गाड़ी से कुशीनगर के सुकरौली इलाके में ले जाया गया। वहां तीनों ने मिलकर इंद्र कुमार को चाकू से गोदकर बेरहमी से हत्या कर दी और शव को झाड़ियों में फेंक दिया।

हत्या के बाद क्या हुआ?

हत्या के बाद आरोपी ज्वेलरी और नकदी लेकर फरार हो गए। पुलिस ने शव बरामद कर लिया है और तीनों अभियुक्तों की तलाश जारी है।

पुलिस सूत्रों के अनुसार, यह मामला सुनियोजित षड्यंत्र का प्रतीक है, जिसमें प्रेम और विवाह का मुखौटा लगाकर एक निर्दोष युवक की जान ले ली गई। आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए टीमें गठित कर दी गई है। इस वारदात ने न सिर्फ सामाजिक रिश्तों पर सवाल खड़े किए हैं, बल्कि यह भी दिखा दिया है कि लालच इंसान को किस हद तक गिरा सकता है।

मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का विधायक ने किया भूमि पूजन

ग्राम पंचायत गुग्गौर में लगभग 23.42 करोड़ रुपये की लागत से बनेगा

स्वराज इंडिया संवाददाता

निंदूरा बाराबंकी। औधौगिक क्षेत्र उमरा चौकी के बगल ग्राम पंचायत गुग्गौर में लगभग 23.42 करोड़ रुपये की लागत से 10 एकड़ में तैयार होने मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय का भूमि पूजन, शिलान्यास सोमवार को मुख्य अतिथि कुर्सी विधायक साकेन्द्र प्रताप वर्मा के हाथों सम्पन्न हुआ। उनके साथ विशिष्ट अतिथि जिलाधिकारी शशांक त्रिपाठी, बेसिक शिक्षा अधिकारी संतोष कुमार देव पांडेय ने की गरिमामयी उपस्थिति में संपन्न कराया। विधायक ने बताया औधौगिक क्षेत्र में जहाँ सैकड़ों मजदूरों को रोजगार मिल रहा है वहीं अब इस विद्यालय से हम संस्कार भी देंगे और रोजगार भी देंगे। सुबह 11 बजे अखिलेश शास्त्री ने मंत्रोचारण करके विधिवत भूमि पूजन कराकर कार्यक्रम संपन्न करवाया। इस विद्यालय में लगभग 2000 छात्र प्रवेश ले सकेंगे। यह प्रदेश का 40वां मुख्यमंत्री मॉडल कंपोजिट विद्यालय होगा। यह प्रदेश के प्रत्येक जिले का एक मात्र विद्यालय है जिसमे छात्रों को बेहतर शिक्षा दी जाएगी। इस दौरान उपजिलाधिकारी कार्तिकेय सिंह, तहसीलदार वैशाली अहलावत,सीओ जगतराम कन्नौजिया,विशाल सिंह,मुकेश सिंह,श्रीश रावत,मौजूद रहे।

पेट्रोल पंप की छत के नीचे खड़े युवक पर गिरी आकाशीय बिजली

स्वराज इंडिया संवाददाता

बाराबंकी। फतेहपुर में एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना सामने आई। बारिश से बचने के लिए एक बंद पेट्रोल पंप की छत के नीचे खड़े युवक पर आकाशीय बिजली गिर गई। घटना रविवार शाम 5 बजे की है। मुहल्ला नालापार दक्षिणी निवासी शादाब (पिता सलीमुद्दीन) बाइक से कस्बा बिशुनपुर जा रहे थे। रास्ते में बारिश शुरू होने पर वह भदनेवा मोड के सामने स्थित बंद बायोगैस पेट्रोल पंप की छत के नीचे रुक गए।

इसी दौरान आकाशीय बिजली पेट्रोल पंप की छत पर गिरी। बिजली गिरने से छत ढह गई और शादाब इसकी चपेट में आ गए।

घटना में वह घायल हो गए। परिजन उन्हें फतेहपुर के एक निजी चिकित्सक के पास ले गए। चिकित्सक ने शादाब की जांच के बाद उन्हें सीटी स्कैन के लिए रेफर कर दिया।

दो गिरफ्तार

किशोरी को केरल ले जाकर आतंकी बनाने का प्रयास

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

प्रयागराज। अनुसूचित जाति की किशोरी के परिवार का आरोप है कि उसे भी पैसे का लालच दिया गया था। इसके बाद कैफ प्रयागराज जंक्शन तक बाइक से ले गया और रास्ते में अश्लील हरकत की। इसके बाद दरकशा लड़की को लेकर पहले दिल्ली और फिर वहां से केरल पहुंची।

संगमनगरी प्रयागराज में 'केरला फाइल्स' से मिलती-जुलती एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है। यहां पर युवतियों का ब्रेनवॉश कर उनको मतांतरण के लिए प्रेरित करने और आतंकी गतिविधियों में शामिल होने के लिए प्रलोभन दिया जाता है। गंगानगर के फूलपुर में रहने वाली एक अनुसूचित जाति कि किशोरी को केरल में ले जाकर मतांतरण कराने और जिहादी बनाने की कोशिश का मामला सामने आया है। मामले में फूलपुर पुलिस ने पीड़ित परिवार की तहरीर पर मुकदमा दर्ज करते हुए तिलहट गांव की दरकशा बानो, उसके सहयोगी कैफ को गिरफ्तार किया है।

राष्ट्रपति का गोरखपुर दौरा

दीक्षा समारोह में 8 डाक्टरों व छात्रों को 9 गोल्ड मेडल देंगी

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो

गोरखपुर। गोरखपुर एम्स में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु के आगमन से दीक्षा समारोह में उत्साह का माहौल है। वह आठ डाक्टरों और छात्रों को गोल्ड मेडल प्रदान करेंगी। सांसद रविकिशन शुक्ल ने तैयारियों का जायजा लिया। राष्ट्रपति 1 घंटा 10 मिनट तक परिसर में रहेंगी। सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद की गई है और केवल पासधारकों को ही प्रवेश मिलेगा। मेधावी छात्रों को सम्मानित किया जाएगा।

एम्स गोरखपुर के पहले दीक्षा समारोह में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु 1:10 घंटे रहेंगी। वह कसया रोड स्थित गेट नंबर एक से एम्स परिसर में दाखिल होंगी और सीधे आडिटोरियम पहुंचेंगी। इसी गेट से निकलकर वह वापस सर्किट हाउस जाएंगी। दीक्षा समारोह के मंच पर राष्ट्रपति के साथ राज्यपाल आनंदीबेन पटेल, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, स्वास्थ्य राज्यमंत्री अनुप्रिया पटेल, सांसद रविकिशन शुक्ल, एम्स के चेयरमैन देशदीपक वर्मा और कार्यकारी निदेशक मेजर जनरल (सेवानिवृत्त) डा. विभा दत्ता मौजूद रहेंगी। रोगियों को कोई असुविधा न हो इसके लिए गेट नंबर दो खुला रहेगा।

दीक्षा समारोह की तैयारियों को अंतिम रूप देने में एम्स प्रशासन दिन-रात लगा हुआ है। सांसद रविकिशन शुक्ल ने रविवार शाम कमिश्नर अनिल ढींगरा, डीएम कृष्णा करुणेश और कार्यकारी निदेशक के साथ आडिटोरियम का निरीक्षण किया।

उन्होंने पूरी व्यवस्था के बारे में जानकारी ली। कहा कि मोदी-योगी युग की उपलब्धियों का गोरखपुर जीवंत उदाहरण है। महायोगी गुरु गोरक्षनाथ की तपोभूमि पर राष्ट्रपति का आगमन क्षेत्र के लिए गौरवपूर्ण व ऐतिहासिक क्षण है। यह सभी के लिए सम्मान का विषय है। राष्ट्रपति गोरखपुर पहुंचकर यहां के विकास का साक्षात अनुभव करेंगी।

2:45 बजे के बाद सिर्फ राष्ट्रपति ही आएंगी : एम्स के गेट नंबर एक से दोपहर बाद 2:45 बजे से ही पासधारकों को जाने की अनुमति दी जाएगी। इनमें फैकल्टी, विशिष्ट अतिथि, छात्रों के स्वजन शामिल हैं। इसके बाद इस गेट से किसी को प्रवेश नहीं दिया जाएगा। राष्ट्रपति ही प्रवेश करेंगी।

आडिटोरियम तक जाने के दूसरे मार्गों को बंद किया जा रहा है। इस क्षेत्र में सिर्फ पासधारकों को ही रहने दिया जाएगा। बिना पास वालों को जाने की अनुमति नहीं होगी।

दीक्षांत परेड में शामिल होंगी : राष्ट्रपति 4:20 बजे एम्स पहुंचेंगी। इसके बाद 10 मिनट रिजर्व रहेगा। शाम 4:30 बजे राष्ट्रपति दीक्षांत परेड में शामिल होंगी और फैकल्टी व छात्रों के साथ अलग-अलग ग्रुप फोटो में शामिल होंगी। मंच पर वह मेडल देने के बाद दीक्षांत भाषण देंगी।

ईरान के उप विदेश मंत्री ने कहा

अमेरिका भरोसा दिलाए कि अब कोई हमला नहीं होगा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

नई दिल्ली। ईरान के उप विदेश मंत्री ने कहा कि अगर अमेरिका फिर से बातचीत शुरू करना चाहता है, तो उसे ईरान पर आगे किसी भी हमले की संभावना से पूर्ण रूप से साफ इनकार करना होगा। और साथ ही मजीद तख्त-रवांची ने बताया कि ट्रंप प्रशासन ने मध्यस्थों के ज़रिए ईरान को ये भी बताया है कि वह बातचीत में लौटना भी चाहता है। लेकिन वार्ता के दौरान और हमले नहीं करने के अहम मुद्दे पर अमेरिका ने अभी तक अपना रुख भी साफ नहीं किया है। 13 जून को ईरान के खिलाफ इसराइल की सैन्य कार्रवाई भी शुरू हुई थी, जिससे मस्कट में दो दिन बाद होने वाली अप्रत्यक्ष बातचीत का छठा दौर भी रुक गया। पिछले हफ्ते अमेरिका सीधे इसराइल और ईरान के बीच चल रहे संघर्ष में तब शामिल भी हुआ, जब उसने बमबारी कर ईरान के तीन परमाणु ठिकानों को निशाना भी बनाया गया। तख्त-रवांची ने यह भी कहा कि ईरान यूरेनियम संवर्धन पर लगातार ज़ोर देता रहेगा।

हिंसा फैलाने की तैयारी

नहीं सुधरेगा पाकिस्तान, ऑपरेशन सिंदूर में हो गए थे तबाह

फिर तैयार कर रहा आतंकियों का ढांचा

» स्वराज इंडिया न्यूज ब्यूरो/एजेंसी

श्रीनगर। ऑपरेशन सिंदूर के जख्मों को सहला रहा पाकिस्तान अभी भी जम्मू-कश्मीर में हिंसा फैलाने के लिए आतंकियों को हथियार और ट्रेनिंग उपलब्ध कराने की अपनी नीति से पीछे हटता नजर नहीं आ रहा है। जम्मू-कश्मीर में अंतरराष्ट्रीय सीमा और एलओसी के पार पाकिस्तान की सेना और खुफिया एजेंसी आईएसआई ने आतंकी शिविरों और लॉन्चिंग पैड की मरम्मत के साथ कुछ नए आतंकी ट्रेनिंग कैंप भी बनाना शुरु कर दिए हैं।

अलबत्ता, नए कैंपों का आकार मौजूदा कैंपों की तुलना में छोटा रखा गया है जिनमें अधिकतम 50-75 आतंकियों के एक साथ ठहरने व प्रशिक्षण की सुविधा है। लाहौर के निकट मुरीदके में स्थित लश्कर-ए-तैयबा का मुख्यालय और बहावलपुर स्थित जैश-ए-मोहम्मद का मुख्यालय भी मरम्मत के बाद जिहादी तत्वों का नए सिरे से गढ़ बन गया है।

आतंकी संगठनों के कमांडरों की बुलाई थी बैठक : आतंकी संगठनों में समन्वय बनाए रखने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने उनकी एक एकीकृत कमांड भी बनाने का फैसला किया है।

एकीकृत ऑपरेशनल कमांड की रूपरेखा तय करने के लिए पाकिस्तानी खुफिया एजेंसी ने गत दिनों लश्कर-ए-तैयबा, जैश-ए-मोहम्मद, हिजबुल मुजाहिदीन, अल-बदर, तहरीके जिहादे इस्लामी, मुस्लिम जांबाज फोर्स तहरीकुल मुजाहिदीन, हुजी समेत विभिन्न आतंकी संगठनों के शीर्ष कमांडरो की एक बैठक बुलाई थी।

इसमें जम्मू कश्मीर में आतंकी गतिविधियों में तेजी लाने और जम्मू कश्मीर में सक्रिय आतंकियों के लिए हथियार व पैसे की सप्लाई चेन पर भी चर्चा हुई है।

नए आतंकियों की भर्ती का प्रयास : जैश, लश्कर और अल-बदर जैसे संगठनों ने लाहौर, मुल्तान, कराची समेत पाकिस्तान के विभिन्न शहरों व कस्बों में ही नहीं गुलाम जम्मू कश्मीर के मुजफ्फराबाद, चकोटी,भिम्बर में बीते दिनों अपनी रैलियां भी की हैं। इन रैलियों में भारतीय सेना की कार्रवाई में नष्ट आतंकी शिविरों और मारे गए आतंकी कमांडरों की तस्वीरों के साथ कश्मीर जिहाद के नाम नए आतंकियों की भर्ती का प्रयास किया गया है।

पाकिस्तानी सेना की निगरानी में हो रहा काम : खुफिया सूत्रों के अनुसार, आतंकी शिविरों की मरम्मत और निर्माण का काम पाकिस्तानी सेना की इंजीनियरिंग कोर की निगरानी में हो रहा है। नए आतंकी ठिकानों को घने जंगलों में या फिर आबादी से दूर स्थापित किया जा रहा है,क्योंकि पहले कई आतंकी कैंप या फिर लॉन्चिंग पैड आबादी के साथ सटे इलाकों में थे। जिससे वहां होने वाली गतिविधियां जल्द उजागर हो जाती थी और भारतीय खुफिया एजेंसियों की उन तक पहुंच भी आसान मानी जाती थी।

एलओसी पर स्थापित ट्रेनिंग कैंपों तक पहुंचने के लिए पाकिस्तानी सेना की जांच-पड़ताल चौकियों व नाकों से होकर गुजरना पड़ेगा।